05060

No. of Printed Pages : 6

MEC-007

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

Term-End Examination

December, 2015

MEC-007 : INTERNATIONAL TRADE AND FINANCE

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each section as per instructions given.*

SECTION A

*Answer any **two** questions from this section.* 2×20=40

1. Discuss the Heckscher-Ohlin model of international trade. How is it different from the Ricardian model of international trade ?

2. Examine the case for trade protection. Discuss the various tariff and non-tariff barriers to international trade.

3. Discuss India's trade policy reforms in the post-1991 period. Examine the impact of reforms on recent trends in India's balance of payments.

4. Explain fixed exchange rate mechanism under the Bretton Woods system. Why has there been a shift to floating exchange rate system ?

SECTION B

*Answer any **five** questions from this section.* *5×12=60*

5. What do you mean by surplus or deficit in balance of payments ? Distinguish clearly between autonomous and accommodating items in balance of payments.

6. With reference to International trade theory explain the following :

(a) Product Life Cycle

(b) Gravity Model of Trade

7. Explain the welfare effects of trade creation and trade diversion within a customs union.

8. Discuss India's concern in WTO negotiations with special reference to the following :

(a) Agriculture

(b) Non-Agriculture Market Access (NAMA)

(c) Intellectual Property Rights (IPRs)

9. What is dumping ? Why do countries impose anti-dumping duties ?

10. Briefly explain Marshall-Lerner condition of exchange rate regime.

11. Explain the relationship between globalisation and free trade.

12. What does capital account convertibility imply ? Why has India been slow on capital account convertibility ?

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

एम.ई.सी.-007 : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *दिए गए निर्देशानुसार प्रत्येक खण्ड से प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

*इस खण्ड से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* *2×20=40*

1. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के हेक्शचर-ओहलिन मॉडल की चर्चा कीजिए । यह अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के रिकार्डो मॉडल से किस तरह भिन्न है ?

2. व्यापार संरक्षण के तर्कों की समीक्षा कीजिए । अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में विभिन्न प्रकार की टैरिफ एवं ग़ैर-टैरिफ बाधाओं की चर्चा कीजिए ।

3. 1991 के बाद की अवधि में भारतीय व्यापार नीति में सुधारों की विवेचना कीजिए । इन सुधारों की भारतीय भुगतान सन्तुलन में हाल की प्रवृत्तियों पर प्रभाव की समीक्षा कीजिए ।

4. ब्रैटन वुड्स प्रणाली के अन्तर्गत नियत विनिमय दर प्रक्रिया से आपका क्या अभिप्राय है ? किन कारणों से परिवर्तनशील (तिरती) विनिमय दर प्रणाली प्रस्थापित हुई है ?

खण्ड ख

*इस खण्ड से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* *5×12=60*

5. भुगतान संतुलन में अधिशेष एवं घाटा से आप क्या समझते हैं ? भुगतान संतुलन में स्वायत्त एवं निभाव (सुनम्य) प्रवाहों की विभिन्नताओं का उल्लेख कीजिए ।

6. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

(क) उत्पाद जीवन चक्र

(ख) व्यापार का गुरुत्व प्रतिमान

7. सीमा-शुल्क संघ के संदर्भ में व्यापार सृजन एवं व्यापार विपथन के कल्याणकारी प्रभावों की व्याख्या कीजिए ।

8. विश्व व्यापार संघ की वार्ताओं में निम्नलिखित मुद्दों के विशेष संदर्भ में भारत की चिन्ता का विवेचन कीजिए :

(क) कृषि सम्बन्धी मुद्दे

(ख) ग़ैर-कृषि बाज़ार उपलब्धता (एन.ए.एम.ए.)

(ग) बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आई.पी.आर.)

9. पाटना (dumping) से क्या अभिप्राय है ? किन कारणों से विभिन्न देश प्रति-पाटना (anti-dumping) शुल्क लगाते हैं ?

10. विनिमय दर शासन-प्रणाली के सन्दर्भ में मार्शल-लर्नर (Marshall-Lerner) शर्त की संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

11. भूमंडलीकरण और मुक्त व्यापार के बीच सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए ।

12. पूँजी खाते में परिवर्तनीयता का क्या अभिप्राय है ? पूँजी खाते में परिवर्तनीयता के सम्बन्ध में भारतीय नीति विलंबकारी क्यों है ?